[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No. :	**.....**
Unique Paper Code:	**121302403**
Title of the Paper:	**ब्रह्मसूत्र (Brahmasūtra)**
Name of the Course:	**MA Sanskrit Examination, May 2025**
Semester:	**IV**
Duration:	**03 HRS**
Maximum Marks:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English.**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 7x4=28
Explain the following with reference to the context:

(क) शेषशेषित्वेऽधिकृताधिकारे वा प्रमाणाभावात्, धर्मब्रह्मजिज्ञासयो: फलजिज्ञास्यभेदाच्च ।

अथवा/OR

नन्विहापि तदेवोपन्यस्तं जन्मादिसूत्रे । न, वेदान्तवाक्यकुसुमग्रथनार्थत्वात्सूत्राणाम् ।

(ख) अखिलभुवनजन्मस्थेमभंगादिलीले विनतविविधभूतव्रातरक्षैकदीक्षे ।
श्रुतिशिरसि विदीप्ते ब्रह्मणि श्रीनिवासे भवतु मम परस्मिन् शेमुषी भक्तिरूपा ।।

अथवा/OR

न तावत् वाक्यजन्यं ज्ञानम्- तस्य विधानमन्तरेणापि वाक्यादेवसिद्धे:,
तावन्मात्रेणाविद्यानिवृत्यनुपलब्धेश्च ।

(ग) एतेन योगः प्रत्युक्तः **अथवा/OR** लोकवत्तु लीलाकैवल्यम्

(घ) दृश्यते तु **अथवा/OR** रचनानुपपत्तेश्च नानुमानम्

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which one should be in Sanskrit:

(क) अन्यथाख्याति **अथवा/OR** शास्त्रयोनि

(ख) विवेक **अथवा/OR** कल्याण

(ग) जगत् **अथवा/OR** वैषम्य-नैर्घृण्य दोष

(घ) इतरव्यपदेश **अथवा/OR** तर्क का प्रतिष्ठितत्व

3. आचार्य शंकर के अनुसार 'अध्यास' के स्वरूप का विवेचन कीजिए। **10x2=20**

Discuss the concept of 'Adhyāsa' according to Āchārya Śaṅkara.

अथवा/OR

आचार्य शंकर के अनुसार 'प्रधानकारणवाद' के खण्डन का विवेचन कीजिए।

Discuss the refutation of 'प्रधानकारणवाद'according to Āchārya Śaṅkara.

4. आचार्य रामानुज के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा' के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of 'Brahmajijńāsā'according to Āchārya Rāmānuja.

अथवा/OR

शांकरभाष्य एवं श्रीभाष्य के आधार पर 'पाञ्चरात्र मत' की समीक्षा कीजिए।

Critically evaluate the 'Pāńcrātra doctrine' on the basis of Śāṅkarbhāṣya and Śrībhāṣya.